भारत सरकार

भारी उद्योग मंत्रालय

लोक सभा

अतारांकित प्रश्न सं. 3229

21 मार्च, 2023 को उत्तर के लिए नियत

"इलेक्ट्रिक वाहनों की बिक्री"

3229. श्री मनोज तिवारी:
डॉ. निशिकांत दुबे:

क्या **भारी उद्योग** मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि:

(क) क्या यह सच है कि विगत दो वर्षों के दौरान देश में इलेक्ट्रिक वाहनों की बिक्री में वृद्धि हुई है;
(ख) यदि हां, तो तत्संबंधी राज्य-वार ब्यौरा क्या है; और
(ग) सरकार द्वारा इलेक्ट्रिक वाहन विनिर्माताओं और ग्राहकों के लिए प्रदान की जा रही वर्तमान राजसहायता और प्रोत्साहनों का ब्यौरा क्या है?

उत्तर

भारी उद्योग राज्य मंत्री

(श्री कृष्ण पाल गुर्जर)

(क) और (ख) : जी हां। सड़क परिवहन और राजमार्ग मंत्रालय के ई-वाहन पोर्टल के अनुसार, पिछले दो वर्षों में भारत में पंजीकृत इलेक्ट्रिक वाहनों की संख्या बढ़ी है। वर्ष 2021, 2022 और 2023 (15 मार्च,2023 तक) के दौरान भारत में पंजीकृत इलेक्ट्रिक वाहनों का ब्यौरा निम्नानुसार हैः

वर्ष	**कुल संख्या**
2021	3,27,976
2022	10,15,196
2023	2,56,980

06 मार्च,2023 की स्थिति के अनुसार, भारत में पंजीकृत इलेक्ट्रिक वाहनों की राज्यवार संख्या **अनुलग्नक** में दी गई है।

(ग) : भारी उद्योग मंत्रालय ने निम्नांकित तीन स्कीमों के माध्यम से इलेक्ट्रिक वाहनों के खरीदारों और विक्रेताओं को आर्थिक सहायता प्रदान की हैः

i. **भारत में इलेक्ट्रिक एवं हाइब्रिड वाहनों का तीव्र अंगीकरण एवं विनिर्माण (फेम इंडिया):** सरकार ने फेम इंडिया स्कीम के चरण-।। को 1 अप्रैल, 2019 से पांच वर्ष की अवधि के लिए कुल 10,000 करोड़ रुपये की बजटीय सहायता से अधिसूचित किया है। फेम-इंडिया स्कीम, चरण-।। के तहत इलेक्ट्रिक वाहनों के खरीदारों को इलेक्ट्रिक वाहनों के खरीद मूल्य में अग्रिम कटौती के रूप में आर्थिक प्रोत्साहन प्रदान किया जाता है।

ii. **ऑटोमोटिव क्षेत्र के लिए उत्पादन-सम्बद्ध प्रोत्साहन (पीएलआई) स्कीम:** सरकार ने वाहनों के घरेलू विनिर्माण को बढ़ावा देने के लिए 25,938 करोड़ रुपये के बजटीय परिव्यय वाली ऑटोमोटिव क्षेत्र संबंधी पीएलआई स्कीम को 15 सितंबर, 2021 को मंजूरी दी। इलेक्ट्रिक वाहन इस पीएलआई स्कीम के दायरे में शामिल हैं।

iii. **उन्नत रसायन सेल (एसीसी) संबंधी पीएलआई स्कीम:** सरकार ने देश में एसीसी के विनिर्माण के लिए 18,100 करोड़ रुपये के बजटीय परिव्यय वाली पीएलआई स्कीम को 12 मई, 2021 को मंजूरी दी। इस स्कीम में देश में 30 गीगावाट घंटे के लिए एक प्रतिस्पर्धी एसीसी बैटरी विनिर्माण व्यवस्था स्थापित करने की परिकल्पना की गई है। इसके अतिरिक्त, इस स्कीम के अंतर्गत 5 गीगावाट घंटे की उत्कृष्ट एसीसी प्रौद्योगिकियाँ भी शामिल हैं।

***

अनुलग्नक

क्र.सं.	राज्य का नाम	इलेक्ट्रिक वाहनों की संख्या
1	अंडमान और निकोबार द्वीप समूह	182
2	आंध्र प्रदेश	51,322
3	अरुणाचल प्रदेश	24
4	असम	94,929
5	बिहार	1,28,885
6	चंडीगढ़	5,533
7	छत्तीसगढ	40,516
8	दिल्ली	2,03,263
9	गोवा	8,710
10	गुजरात	99,236
11	हरियाणा	56,243
12	हिमाचल प्रदेश	1,877
13	जम्मू और कश्मीर	7,080
14	झारखंड	28,395
15	कर्नाटक	1,83,536
16	केरल	65,545
17	लद्दाख	47
18	मध्य प्रदेश	42,957
19	महाराष्ट्र	2,26,134
20	मणिपुर	1,052
21	मेघालय	83
22	मिजोरम	76
23	नागालैंड	60
24	ओडिशा	45,562
25	पुदुचेरी	3,376
26	पंजाब	25,597
27	राजस्थान	1,43,273
28	सिक्किम	21
29	तमिलनाडु	1,29,153
30	त्रिपुरा	12,229
31	दादरा और नगर हवेली तथा दमण और दीव संघ राज्यक्षेत्र	303
32	उत्तर प्रदेश	4,65,432
33	उत्तराखंड	42,308
34	पश्चिम बंगाल	57,512
	सकल योग	**21,70,451**

******